体な58

भना अन्।

চাকা কালেজের ছাত্র

शितिभाष्ट्य मञ्चमनात

अनीज।

जिं

जनगरत मूजिङ।

नकाका ७१४८

म्ला। । जामः

म्बलाह्य ।

মদাজ্ঞানতি নির-বিধির প্রীল প্রায়ত কারু কাশী কান্ত মুখোপারাক মহোদঃ শীপ্রীচরণাডোজেয়।

हिमहाखन। এই मर्मारत अस्रीत भारतके कान महाजात नाम चीम श्रुक्तकत लिखाएएल मर प्रांभन कतियः। धट छत्र ध्याः वद इस्ति कतिरा था -কেন। বিশেষতঃ আঘারমত নিক্ষট লেথকের এই একটা কর্ত্রা কর্মাবটে কিন্ত কেনল কর্ত্রা বিবে-চনায় আপনকার মশোলাগিত নাম এই প্রতে मिट्टायिन गांच बिहित कितिनांव अवज मटह. মাপনি যে প্রকাশ স্থেহসহকারে আবাংক জ্ঞানদান করিয়াছেন ভাহার ক্লভ্ৰার চিক্তমন্প এই পু-ক্তক মহাশ্যের জীগবলে সন্প্র করিলান। এই নিশ্য পুত্তকে ভবাদৃশ মহাত্মার নাম সংলগ্ন হওয়া-তে কেবল নাবের গৌরব ছ্রাস ব্যতিত আর কিছুরই महातमा नाहै। कि कति आमि आलमाव लिया। পাপনার তীচরণ ধানি ব্যক্তিত কোনকর্দেই প্রবন্ত रहेए भौतिम। अडधर ८२ छटता! आगोत धहे বিষয় যে অপরাধ হইল, ভাহা আপনি ছাত্রংস-नज्ञाका नाकन। करून।

> আপেনকীর নিতান্ত বাধ্য ছাত্র জীগিরিশচক্ত মজুমদার।

বিজাপন।

প্রায় তিম বৎসর গভ ছইল বেতক। মাধান।কৃত वक्र विमानित्व सर्भाशक श्रीवृत्र इतिम्छला मञ्जूमनीर মহাশয় পাঁতিত ছিলেন। তাঁচার উৎসাহে তথাত विल्या भारिनी बाझी अवधी मनः मश्या शिल। इत नलांगी क्रम जिल ४८०. किए छोउनिगरक छोन नारन क्लानभरक्षे कृषि करह नाई। ज्यारक चारमग्रस्क चानि रमने मनारक जानकारमक ध्रीतः शांठे क्रियाहिलांग। जगाया এउ० श्रुष्टर-निर्दान **७ शनाम् अवस कुरेगेंड शिंठ रहा। किन्न रेश** ए मूजिङ इहेगा अनुकारत क्षांतिक इहेरा उध जोशेत (कांन धेनतेनाई हिलना। कियदकांनाजी: रहेन आभात अञ्च जी धंजाशहस रज्यमात के अवस ছুণী পুত্তকাকায়ে মুদ্রান্ধিত করিতে বিশেষ উৎসাৎ প্রকাশ করে, তাহার সাহস ও যতু দর্শনে ঐ প্রবন্ধ ছুটার কোন্য স্থান পরিবর্ত্তন ও সন্তম্ভ ন করিয়া দেও? इत। এই পুতকের প্রথমাংশে বসন্তকালে এদেশ य धेकात थाक्र जिक हाक दूरत समझ क इस, जारा

খানি কত জাত। সহকারে বলিতেতি যে ঢাক।
কালেজের সিনিয়ার পণ্ডিত জীয়ত জীনাথ তর্কালকার
ভ জীয়ত বার হবিশতরা নিত্র মহোনছের। আয়াসাধীকাল করিয়। এই পুত্তক সংশোধন করিয়া নিয়াছেন।
এই মহাত্মানিশের পাহিছিল বাতীত কোন মতেই
কানি ইছাতে জভকার্যা ছইতে পারিভাব না।

শ্রীগিনিল তন্ত্র মন্থ্রমণার। : চাকাকালের ছোত্র।

স্বভাব-দর্শন।

উর গোলেধনীপরে হে কবিভেশবি। क्र-धाना-कल्मना-मिननी-मान कृति। ट्डांगांत करूना-कना लांड कति वानि ! वाक् मक्ति विशेष मूरकत महत वांनी ॥ মাতঃ । ভবে তব ক্ৰপায়ত-মৃত্যহর। কভ **জনে করিরাছে অজর অ**বর ॥ अमारमत আছে गांडः कि छन अगन। হবে যে তেম্ম তথ ক্ষণাভাজ্ম ! **उटर यनि निक छटन और १। महो**महि ! नग्राकंत भीरनत खत्रमा गांख अहे। मारमञ्ज উচিত পাত मंत्रिय निहर। धनीटक करिएल मान छंड कमनग्र ॥ रि मर ভারুক্বর ভারধনে ধনী। श्वकर्व मरक्रम जैदिश धर्माची म श्रीन ॥

ेशिहर क्रिक्ट प्रांत प्रशं कि स्टर ?

क्रिट्स क्रिक्ट प्रित : प्रशं तृति एत ॥

कर्व क्रिक्ट क्रि-लंड क्रिक्ट ॥

कर्व क्रिक्ट क्रि-लंड क्रिक्ट ॥

कर्व क्रिक्ट क्रिल्ट क्रिक्ट शिर्म ।

कर्वा कि मानेक क्रामि क्रिक्ट श्राम ।

कर्वा क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट ॥

कर्वा क्रिक्ट मा एडि उटम विष्ट्-छन्-शाम ॥

कर्वा क्रिक्ट स्टर्स श्राम क्रिक्ट ॥

कर्वा क्रिक्ट स्टर्स श्राम क्रिक्ट ॥

कर्वा क्रिक्ट स्टर्स श्राम क्रिक्ट ॥

--

তম্বের।

প্ৰভাত

প্রভাতে নর্শন করি তারে শান্ত বিভাববী
কান্ত স্থানে নীইরা বিদাস।
কাতি বিধানিত-মনে নিয়া সধী তারাগণে
ক্রেত বেগে নিজ্জনে পলায়।
হার হায় কিবা হুওঁ! মানুন লানীর মুখ
নিশীর বদন না হেরিয়া।
ভাহাতে প্রচন্তরবি ভাকিতে চাঁদের ছাই
এল নিজ ছবি প্রকাশিয়া।

চরস্ত ভাস্কর কর টিসতে মারি স্থাকর 🐇 लुका हेल। जन्दत (यमन । शाँत किया क्रूथ शांत ! मीतटा खनाटम यांत শশধর অনুচরগণ ॥ न) । हरत मनीत खंग एउलांदरता रहार्थामः बारम स्मा विद्रम अस्त । राष्ट्रदेव सर्वामुथ (विटक्त नाहि सूध हृत्यं भरमं भानभरकां हेरत है. जरू हर्ल नित्रमन सारत निहारतत जन चरत हक मनौत्र करत। विश्व सम्भाषदा श्रीता स्थित मक्छित कांट्स यम मकक्ष यद्र ॥ जीक दिव कर यक वंश्वत माना में ध्विनिष्ट नत्नागं यथ। निमन नत्नी बल फूल गर्डनन परन श्राक्षर खरक निनित्र्थ । नित्योचिक विकासन हिन करत समक्रम गर्गनत्मः विज्ञा भौशीतः। कांचि कांनियां करत क्र्मा क्र्मा क्रमा चरव · श्रुवांनी वहिस्सूटन बाह्र । क्छे मत्न विवद्ग जूनिए इनिन कून नागांवनी अटबर प्रन :

মুখে মন্ত্রপাঠ করে ফুল তুলে লাজি ভবে माटकार चाटल मांजीवन म এই যে অভাব শোভা ভারুকের সমেনেভি। ञलरम मारहति आमि हो।। একে উটি শত ভাবে । আর পালন্দর শাকে घती हुई "हुन् करिन" बाह ॥ कित। सूथ मति मति तनम अक्टि किति নয়ন মুদিয়া সুখ কত। किस भरत होत होता। जुला जुला देश राम Cमाधामा उभ ट्याग में अ লাছ; উত্করি শেষে বাছির হই।। কেশে विकल यादभुत दब्साइ। প্রভাচের আভা নাই ভারুকে নেখিতে পাই मति इत्थ सींग्र सीग्र सीत ! अना किया जाभाकतम किया केन क्रशीयटन নিদ্রা ভদ প্রভাত সময়! मधुत विश्व यदा लोश्चि रोलार्क कटत मूर्य इत अमृत स्पार ॥

প্রভাতের আন্তা হেরি বিহক্ষন । নীড়ে বাদ গীড় গায় পেরে স্থলনয় ॥ সুমধুর দ্বিকুল কুল কুল স্বর।

्रांकिन-ललिख-खात्न (मांहिख अल्दः প্রেরনী সদনে বসি ডাকে মুরু সব। मृत इंड कार्य आरम कुकुर्चेह तर h শাধিনী উপরে ভাকে বারদ শিচর। शृहरू कांकाच क जिल्ला तांबा कर कर ॥ कड लाम बन्त हिंगा कड भी छ शीश। শোহিত শ্রবণ তার শোকের ছটাল।। হে শুক্ত। অবনে তব গীত মনোহর। ছিং গে কি বিমানচর বিহল্পনিকর। टां ८५३ कि विश्विष्ठ महा मानवमनरन । বসন। করিতে তুট হরসাহাদনে ॥ मा (डोमोटक कृद्ध (इव नम कि वा कल। তাহার। স্বাধীন তব চরণে শৃত্যল । भटनांच्छ आंफ्रांश ऋटथे कंत्रटह संग्रन। रिश्च पूर्लक- टांश कत्र टांकन ॥ ध्यांश्टम ट्यांमाट्य गृहक् वारम यक कम । চুত্র দিয়া অক্সে তব করে করার্গণ # श्रमिता (जागांत तूलि एहेता. जेलांगां। द्रिट्षट्ड आहारम् ७व मान "उक्तमान" । अमन कामरत यम एटर् छक्ष धत्र है

[•] अक्रांद्रत शृहाः

सृत्य किन्द्रः छुट्यं कांट्यः (कांगांत कल्यः ? वियान निरुष्णांत कृति मत्रमान । विसान कि जब यम रहा छेड़ासेन ॥ कांगि कांगि माना यम प्रकेल (कांगांत । वाक्ष माना बरन बरन कृति कि विराद ॥ माम्बर्ग शांकिरक मह बोस्नव ख्रक्तम । दमकृतम शांकिरक मह बोस्नव ख्रक्रम । दमकृतम शांकिरक मह बोस्नव ख्रक्तम ॥ द्रिविशः कांग्यमी एशंत निर्माणक व्यवस्थ ॥ खनित्राष्ट्र किर्दे वाल योज्यात सृत्य ॥ श्रिविशं क्रिक्ति क्रिक्त व्यवस्थ ॥ श्रिविशं क्रिक्त क्रिक्त व्यवस्थ ॥ श्रिविशं क्रिक्त क्रिक्त व्यवस्थ ॥ श्रिविशं क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त । हर्वित क्रिक्त क्रिक्त शांधि क्रिक्त "नांस्थल" ॥

कि मधुत स्मिनांदम दाहिल आवतः।

मध्या मधुत एटक मधुमाछिलतः॥

शूनकिछ छिटछ छोत्रा अदम नटल मटलः।

निर्मात करत्रदक एड किना स्टब्नेलटलः॥

नारतक दम नोज मत दस्यमा दम्यमाः।

कि छोत्र ईंडांत्र कोट्ड क्मिन्सित बद्धाः॥

वर्षा कि मिक्का जना अत्रा जनदमः।

उक्षात्र दिलामी प्रथा विलाम हवरन !. कटत कि अलीकारमारम जीवन मार्शन। अन्द्रमत् एक श्राप्त कृति विमार्कन ॥ 💛 शास्त्रिक कामरम छाडि दिवि कामग প্রশাস হটাতে করে মধুর সর্থায় a य आरम प्रशिद्ध नारंद्र प्रमनाद अम । कि वरल पंख्यम (हां तो तम तम विश्व ॥ হে নর! তামার কাছে এনপু কি ছার বিজ্ঞানপীপুৰে সাতে ভব হাধিকার ৷ অনিতা আ মোদ স্থা দিয়া বিসঞ্জন। याजान कर्म। दमहे कार्य व व्यक्ति॥ मार्गत यंजन दिएम (मध कि तंजरम। উঠে कि **अ**भिष्ठ। डोट्ड समुज विद्**र**न ॥ जोहे बनि हां ज़ नह ! मानमविकात । लंड खोनोगुंड करत मोर् मक गोर ॥ হায় তব ব্যবহার একি বিপরীত ! শত্রুর আচার দেখি নায়ুর সহিত। मनज मयञ्ज रचने जेना किर्ज जाम।' वक्षमा बोचोक सरम महि लोग स्थम । त्व अव्यक्त दमरेण अक्रम क्षेत्र । व करत महभरमान स्मी कि मधात ह

द्व करह मरजह मरन श्रेट्नात अक्षा। ट्य करत आरेर्न्यः गोरम शेर्ट्यत दिलय ॥ श्रुक्य त्रज्य (महे कृतस्त्रत् भात । জ্বত: ভাষার সংশ্ব সাজে কি তেখিরে : कि त्मार्य छाइरित कत नाम डेलेश्रा । कि प्रांटर्य दमो जांगा जांत हतिहळ ध्यक्षाम स्रकोिछ व्यवद्या छोत् कृतिय। (११ मोहः । ঢাক ভার সশরাশি অলাক নিজায় h (त गृष्ठ हिल्छ्नः। इक्तांद्र विनि वाननातः। कामांत वांगना एकांत इत्य नः युगांत ॥ সাধু যে কলত্তী তাই কে করে প্রতায়। **(जरन (जरन निम्नुटक**র जार्थय**न र**ह ॥ नगरत गुण्डित निष्याः बर्दास् अनोत्र । वां ज़ित्व छंगीत यम दिखन आजात ॥ (मर्थ (यथ होति आमि गंगरम यथम। आफ्टाटम कालिय वर्ण त्रवित कित्र । " गमन छोन्द्रत तन कि कटत विश्वीत । मनिन भीतम पन जगरू ध्रांकां । कोरल रम्हे रमय इश्वयंत्र चाउतः 🕫 तानरक विकास करने निरमरणंद कर ॥

12]

শত এব কর দর। সর্দ্ধি প্রচার।
দতের সংসর্গে কর ছেবের সংহার ॥
সাধুর স্থানিতি দলা কর ছে পালন।
কলুষ বিলাশ কর বাসন বর্জন ॥
স্যতনে কর সদা বিদ্যা উপার্জন।
সর্সে মহেশ কার্ডি করছে কার্জন ॥

বামভীতে একি শোভ। করি বিলোকন। ভূবিত প্ৰাহ্ম সাজে কুম্মকানন ॥ कृ छिए बांगजी दूथि मिलका प्रकारित। শোভিত গেঁদার দল অপরপ ভাতি। কিব। বিকশিত জব। কুস্ম নিচয়। দর্শনে শাজের হয় ভাজের উদয় 🛚 मर्क्तां भिति त्मार्ट गरनां एवं दनधित। चनज-कृषरमध्ती भासाल यस्त्री॥ कलक उतिनी थांत्र प्रश्वांत्र काम। বেটিভ ক্ষকভালে হায় হায় হায় ! भारक रहन बना करणे क्यम जरून। उषरम महम कोटर निनिद्दं **य**म ॥ तिका विश्वति विश्वतामार्क विश्वत्थ । খচিত প্রবাদ মধা গৌকিক ভূমণে।

ভাছে অতি পরিমল পুশে গন্ধসহ। मम् मम् जिंदि ना वट्ट गन्नवह ॥ উড়ভীন মাক্ষিক। করে ম্বরৰ সঞ্চার। কারণরিয়া করে জলি প্রস্থানে বিহার। (एथर्छ जायुक भति त्यम गरमाञ्ज । তৃষিছে প্রকৃতি মম ইন্দ্রিনকর n গোছিল নয়ন ভার ফুলের পোভায়। यमारम खगत गाहि अवन क्षांत्र ॥ विश्वि भीत्र अवस् मलस् भीवमः। वक नाम हेड करिया दित्याहर ॥ ভাষান্তব হল মতি হেরে আচ্মিত। উদ্রে ঘই প্রজাপতি গর্মের সহিত। অভীব চঞ্চল গতি কভু ছির ময়। मर्गीत खडांव वल गांछ कांथा इत । কিদত্তে পভক্ষ**াবদে কুমুম উপারে।** कृष्ट कारन श्रन (नथ वात्र श्रूमास्टरत ॥ र्टन दुनि रहत्त्र मम जन्न कर्मानात्। यक्षण (मध्ये करते गर्किका ध्येनातः॥ হেপতক। বল কেন এভাব ভোমার। मा एक कि तर त्यांत्र को तर देन करकात । बट्डे होक्शरक उर्व होको करमवत ।

বটে পুষ্পারস তুমি ভুঞ্ন নিরস্তর। কিন্তু তব' পূৰ্ব্ব কথা পড়ে কি খারণ! "পালু পোক''? নাবে খ্যাত আছিল। যখন ॥ मुनांत (हतिया उव कनदी आकार । रहेड कमशंकांत्र संख मनाकात्र॥ লাকার-অনৰুদ্ধানে ছিল তব বাস नामांश कर नि कचूर्थातम ऋताम। তোনার শৈশব কাল অঘন্য যেমন। वानि उथा हेरलांक का धिवनर्गन ॥ थाति यनि पांच . शक्ति कृतिरा एकन। दर्शतस्वत खेककाल नारहे पर्न ॥ ट्रिशंडक । तमारवर्ग कतिया श्राहरा। मिछा मुध्धारम छटन कतिन गान ॥ थिकि अपूना तरङ्ग स्वर्थ शिक्षा -ভূষিৰে আমার কাষ অতুল শোভার # **(मर्थाह कामिन्डा क्व क्षेत्र्यमिन्छ।** त्रजनीटक कृटि एवं निरंदनरक नम् । সেম্ব । মাদান্যনে অদিতা পুলাগন। **चपूर्वः इत्रोत्तः करतः नासमहक्षमः ।** क्रवा । केम्ब्र में अरे जावित कित्रमें क्रवार अस्ति कृषि लक्षेत्र विकास ।

त्ति कि दर्ग चाट्ट अनी व ज्यात । (क्यान नद्धः लिथनी वर्गितक जात्र ॥ হায় রে ভাস্কর ভবে ডামসীতে লয়। নিতাধানে বৃধিকুল অন্ত নাহিছ্য ॥ कात डाट्ड अगीउन निर्मान कीत्रन । ना ८९१ एक भंदीत नाहि अनत्क मतन ॥ এই বে रम्छ नाना ऋष्येत्र निर्धान। वित्रक्षांशी नटह भी मुहत व्यक्षक मि ॥ সে স্থ সদলে নিজা মনোক শোভাই। मृर्जिमान अञ्द्रिक विद्रोरण जनात । न) करत्र निर्माण जथा भहीत् प्रस्त । . আশাতের বারি তথা নাকরে বর্ষণ। মাথের হিশানি তথা নাহিক প্রকাশ। कड़ देवबूरक्षेत्र ब्लॉफा माहि एत होता ॥ गर्वमः प्राथनामिन द्वयम् यद्भा करह विकृ ८९४म कथा व्यवन विवर्धक । (इन त्रमा ছोटन कामि कतिक निकास । কি ছার আদক্ষে এছ 'লেফার'' ভোষার ॥ किन यनि दम दम्भिद्द मा नाई दमेन्न । नाहि शांति स्वांद् काल कतिएक स्वयंत ह प्रत्य गेखिमान पूर्ति भागिरे अन्य।

कृषि क्षिक्ष वहे नावि मदाधन ॥

उर नाम्या मारत चारा कि मरनांत्रकृत्। न्वाउक जात्न करत याँचि माकर्वन ॥ উর্ণনাত শিকার লাভের প্রত্যাশায়। वरमरक कारमज मारवा नोकित्सम अधि ॥ रंगाः भडम जाद रहेल भडम। (धरा गिरा करता छोटत अमनि ट्रांकन) द्रम्ह किक्न काल किना मक उपादत । थनादर मार्गाम की हे बना धना : किएत । वन माद्र जूमि मांकि की हिंद्र ध्रेशांन ! नियोदाङ नियादारत क्रांटल व नकान ॥ হার হার। দেখে তোর নির্ভাচরণ। गीउ भ्वा करत रहे निक्क कालम ॥ मांश्टम इस कितारणत जेनत शृत्व। भारथ "भिश्व" ऋहक्त्मीत दकरणंत्र जूवन s क्लाद्वरक् द्वः बद्धः केन महाद क्राधातः। राप्त का का कुना अवना जाहात। একতি ইলিতে জুর ছোবার বাদস। त्म विनां एमं शांकी कारह ब्लाफ्शहरण । CS सम्बन्ध-विहलायः। सन्तः महानाम । बारतक विध्वत-दनक करते फेसीनन ह

ष्ट्रत कर्नन-कृष्णां सः नार्राधन कर्मकर्त । ग्रंट म्होटत ,: दमरेटवत कोल कटलेटक् विकास ह **इड़ारब डाहाब गांटक काममनिक**ड़ । अर्तान्डिंड करह मना जिमान असत् ह **८म्थ जोटर क्थ कार म शिक्योटर क**छ। স্ভাল গোৱাল কাল পাথী নান। মত । आरबारन धारमारन जांत्रा कतिरह विदांत । कार्यमा य स्वामिश्व गत्रन आधार ॥ क्रजांत्र कतिर्व । यदा कान कांकर्ण। मिन्छत रम कार्य छोता इहेरन वजन । क्छिमिरच जाशास्त्र लेख श्रेकातः भागन इत्राह्म नांकि करणा मक्षेत्र । जाहे विन अरमाज्यम प्रमादिक्षाना क्षार्वन-रक्षम-छमारम क्रतरह भिन्न । आहि जार्ड खानसभा भागभ सकत। কলে তাহে ভিড়া নিজা চতুৰীগ কৰ । कत्रह त्म निकादरमा जामराम्, विश्वति । वाममा भूबिटन कल लगर अवदान धारनरमक क्षेत्र कार्स केविता नीर्वन। त्यो कि अध्यक्त स्माहे निवृक्ष करेगन । चरत जाद कि कड़िक्त क्रणांट स**्वा**गार ।

নাতি সে ঐশিকবলৈ অধিকার তার ।

মগ্র টিনু এই সব াথারতি দেশবৈ।

হঠাৎ তপানোদার হইল গগনে।

धकारमी।

আই ফুলবালা চলিয়া খার। নেখিতে কিশোভা কবলি হয়ে। কুই পর্বাস্ত লাখা ক্ষায়।

हरत वोड़ोबेंग प्रक्रिनकत । रचामके। क्रेमिता त्रकात मरका करक कुछ करि जिल्ला उर्फ । অভাবের শোভা অথে ছেরির। भूकीनित कामि मारे চलिया ह দেখির ভোজন করিয়া কেছ। दूग गांश जांनि नथारंग ८१६॥ टक्टवा कान्यम थाई एक शाम। (क्ष हकांधति यातिएक डेर्नन ॥ तक् वटल कांत्र टमखिलू मूर्थ । अमा ८ जो जरमराज मा भिन्न अथ ॥ श्रमिश अम्छ लाहिन करि । हिनित् यांनरम् जुनिशं संभ । वांक्रेटक यांक्रिक हारकेत कारक । (माहिल नक्षम नद्देत भारक म

--

হায়রে বটের গাছ কিবা মলোহর ! উচ্চতর বহু শাংখ সুশোভিত ইন্সর । কতলন ভাষার স্থাতিক ছাহায়। আতংশ জাপিত হয়ে শ্রীর জ্ভান । বিভারিত তক্তরে শাহাকি স্কুর ! कां मरमत कांचा करत निवर्गानका । হেরিয়া রক্ষের শোভা হরিয় অন্তর্গে विमान क्षित्र व्यादा चिक्त छेलादा । দেখিন্ বিহল কত ব্ৰিয়া দাখাম : भाष्युगत ६८म घरी अन्तियेभानि । (कर **था**त कन ८कइ ८कनाव पूर्व ८७। রজ্বরণ ভূনি খণ্ড কলেব রাছেতে। काम काम भाशी कन कतिहा हाइन। भव्यत मिनारतर७ कुरुति धरन ॥ रिकटिए मन्य गमा गमीत्वं कांग्र । পরশে সরুষ করে সন্তাপিত ভারের ट्रिस विशेष सम्प्रिम क्रिकारि । লুকায়ে রয়েছে ছিম বটের ওসায়। এমন সহলে হার অস্তবে ধীহার। नारि एव केम-८क्षेत्र चर्किय मध्याद व अकि जलकर्ण छोटा मग्रहन मन। ভাবে বুরি জেখিলাম জাগিয়া অপন e मग्रुत्थ 'श्रक्तक स्माका मा द्रवि संग्रहम। विश्वास भी कांबली मानान व्यवस्था कतिलोम स्मेमी मरमनेत्रस्थ कर्नट्स स्थ। कण्णमा चर्छक कार्या करिम जानन ।

्कि होत देलगंध नांध दर्जभात त्रांकेक: কিবা ছার ইংরাজের বাশীয় শবট দ जिनियां का तांक-गर्कि गरनंद्र भगम। মুহুতেরি করিয়ে কত দেশ পাইটেন ॥ अञ्चल त्र काम शृंदर्भ करत्रि नमंगः। थार्थरम रम मन रमरण करिन्छ समन् ॥ আত্মীন বান্ধব পারি চিত্তখন সমে। আলাগ করিতু কর পুলবিত মনে 🖟 পরে যে দেশের সাম শ্রমিলাছি কালে: **डे** डिल सामजारथ (महे गर क्रांस ह र्गानरक समीर्घ हरन आप् करनदत ॥ णाउधार मरा जोश कड़िए। र क नि 1700 কথাঞ্চিত শোকী হৈথ। করিব বর্ণনা

यांकी उन्हरं शक्ति स्वर्थ क्रांत ।

क्षिणिक नाट्य अक श्रेकां कुर्य ।

नियारित काल होट्ड कहिया श्रेवाम ।

क्षिणीय उट्ट व्यक्ति क्रेश्वरहत् नाम ॥

टार्वि उन्हर्भ स्वर्थिक क्रांतिक क्रिका ।

काणिक नेत्र स्वर्थिक क्रांतिक क्रिका है।

क्षितिक हर्द क्रांतिक क्रांतिक है।

ব্রয়েছে অচল ভাবে অচল উপর। कैंग्टर्भ हिंग्न: यंत्र श्रेत श्रेटम भिश्हमां । कल्कीशीरखद जारू जीवन विमाम॥ কোপায় শার্ম করে গভীর গর্জন। कोथाय: कूरण cath करत शेलोग्रन # कोथोत्र मस्य मटर्न नित मोशोहेता । विमरत रमकत अन् वियोग जो ज़िया क्यांत कड़ारा ७८७ ध्यां यात्रना ভাক্ষিয়া শাখিনী অথ করিছে ভক্ষণ কোথার পর্যতবাসী অসত্য-মিক্র। শিকার করিছে বনে পশু নিরম্ভন । कमर्या अर्थक गांश्म यूर्थ जांत्र थांत्र भूष बटन भम्रतटम बाभिता कटते हो है। **च्यर**्ग थिश नरह माहि त्या वांत्र । कृष्टित अगला पन कतिरह मिनाम ॥ **उथांत्रिंड जिल्लांत्रिंत मञ**्करतं क्य "मन्यानी आंगात काटहे दकान् दवने हर र्म तृषि अकार्ड महि मात्र हुनी। करतरक आकृष्कि जारव जनकारव जानी ॥ चारक छक्ष क्रिंटन क्रार्टन कर्डीव चन्त्र भावम शक्क (दीना स्वाधक आकर क

আর নৌশ লপত্রপ পর্মত উপতে। च्यत (बार्ग इत क्षेत्र मन्छ विक्रत व ্কাথায় প্রথনতর দিদাবের কর । 📽 **हम हेल ब्रंट कार्ट निर्दा-करनव**त ॥ কোপাৰ বসন্ত করে নয়ন নাহিত। মুচাক **কুমুন্না**লে হবে মুশোভিড ॥ निमाप भेतप देशांका स्वयुक्त धार्माटन । टकांट्य विश्वभागात्म त्यांश्विम स्वारिय ह (क[†]णात्र नत्वां के हु यात्र काड्र वाह्र । कल পরিপূর্ণ করে সরসা নিকরে। जारह करलामिनी कूरल इर**करक ग**मल। कन कम मारित एन इर उर्ड मिर्गछ। क्षांचात्र (स्यत त्रा निनिद्धत कत्न। माजाम व्यक्त अन पुक्रांत करता। नर्व উष्ट्रा अञ्चलनी-स्थादनिकतः। धरत जुरारत मना आक्रांनिक रह । कुरात्मत त्माडी स्ति मास्कि क्योंग। माहि लाटक विदिक्तिय सामगानकात ।: मर्तमा दवित केंद्र छेक्टन छ हराटक । रनारक नृत्र नष्ठ है अवसूत्र रनाकारक ह CET ATTE SE STATES

एक्सिंग दान आवि एतिय अस्टत ॥ পদতলে মেঘ করে গভীর গচ্চ ন। **ष्ट्रम्य विश्वति वश्रामिनारमं कीवन ।** চাই চারি পাশে ভরে কণ্টকিত কার। সম্মাশে তিৰ্ম্বত শোড়ে বিচিত্ৰ শোড়ায়। নেটিত এদেশ তৃত্ব-শৃত্ব-গিরিগণে। ছুর্গদ যেম্ম ছুর্গ প্রাকার বেষ্টদে॥ .তার অভান্তরে শোভা অতি মনোহর। निर्फाल मलिटल भून क्छ मद्रावित ॥ गांगम-भद्रमी जई करत वालमल। প্রফার্টিত তাহে অর্থ মরভী কমল। त्माद्य काँचि जमास्त्रत खुत्मा (नामाम.। तक्ष अन्तरी थात भट्डिट बहार ॥ व्यारक अहे रवरन कड भवन क्रांनन। पोक्टिक क्खारी मृग तक करत गनन s गामत हर्षक करत जान जानामान । मीर्थरकम^{्र}क्रम करे कडिए उप्ता केंद्र अभिन्न एक दर्गात्र आंक्रांत । CAR COLOR CAR CACH ALL GOTATA I · falfer play and acea falle call PITTE STARRESTON EDIT

अवनार्श्वार मार्थि ग्रानिस विचात । লোতে শ্রাবর শিরে অতুত তালর। भवन भूरभूत चाष्ण खर छत काकाते। উঠে করে মতস্থলে প্রকৃষ্ণি বিভার । भूरतां बिर्फ गञ्ज भार्क करत हे देकाः बारत । मैं। इंदिश टमदक हमा त्यांक कति कटत है कार्ष्य दर्जनन सरद मरह उनेराह । नित निर छिक्टिटिंद करत नमकात । ८ कल्लारम । अहे दकान् प्रवर्भित पत्र ? "লাগার" মন্দির বিদি তির্ধৃত ঈশ্বর # रिस्ता मृग्ता स्व तसी श्रेक्षांकरतः। arrivi श्रोक्रफ मरत श्रेषा करत मरत ॥ বিংশতি বৰীয় এক বুৰক কল্ম न्याम ही व हरत्यारह खरजर देश । करन करन जिन्दरुक भूताबेहन मान। र उ कूरन , धाराबा । स्टान दम , जीका में ॥ वरे दर वेश्वद्रमत श्रृतमीयन्त्र के लेकिक है। याथ कि हेर्ड अब कित है। पर के नाम देशा रहेता यह देशा है। है। मांत्रत विदियं अत्र दहर महिकात श्राहरूक नार कार । सकत व्हनन

अक्रिकार पूर्ण कांत्र रमस्कः एउन ॥ अविम प्रकः अरक निर्भारत गजरन । अर्माद निर्मा कांक्रिक कांभ्रहम ॥ अर्माद निर्मा कांक्रिक कांभ्रहम ॥ अरज्ज स्मारका कांग्रिका मा स्मा मश्हात । अपन काविम। कारह आरम जेपहांत ॥ अज स्मारका कांग्रिक निर्मा म । अन्य क्रांक्रिका कांग्रिक निर्मा म । अन्य क्रांक्रिका कांग्रिक निर्मा म । अन्य क्रांक्रिका कांग्रिक निर्मा म ।

一一一一

प्रकृति श्रवत रहा प्रस्ति (गोडिए।
ध्रामिना होन दीर्घादनी प्राह्ण ।
विद्यास (गोडिए) जुल ध्राही त तकेटन।
जूद रथा काधिकास इसनी ज्यान ॥
नाहि छ्या शेट्या शूर्व सहसी ज्यान ॥
नाहि छ्या शेट्या शूर्व सहसी ज्यान ॥
नाहिक जुरावा जुल सनस (गण्ड ।
जासिक गोडिक यहमा हमाहिक कि विद्यन ॥
सनायास अवस्थारम हमाहिक कि विद्यन ॥
सनायास अवस्थारम हमाहिक कि विद्यन ॥
सनायास अवस्थारम हमाहिक कि विद्यन ॥
उठ शिक्षारम सन सहस्य किराया संत्र हम ॥
उठ शिक्षारम सन सहस्य किराया स्राह्म ॥
विद्या सामानक । स्राह्म निरम्पाद स्राह्म ॥
वाभिक्षा स्राह्म सन्त्र केंद्राहम ॥
वाभिक्षा स्राह्म सन्त्र केंद्राहम ॥

कृषां महिन्य त्वर, जक्त बर्मण ॥

"क्ष्युम् वे ध्वाणिया मिछा पर्य महि।

विराय करहर हिस्स मझन ध्वाहि ॥

अनम सर्मण मोर्ना क्याहित हाय !

सर्मा की हे भूमा मिस्स किर्काणात ॥

ध्वस्थमा ध्वाहित ही हिस्स स्थान ।

गर्मिछ। धरहर छोट स्थान जान ॥

नावना नक्षर मही हिसा कर्यं कर्णमा !

नावना नक्षर मही हिसा कर्यं कर्णमा ॥

भिक्त भव सम्मी दिस्स होनि भाष ।

भौति महा क्या छोटा कर्रं स्थाहित स्थाहित ।

भौति महा क्या छोटा कर्रं स्थाहित स्थाहित ।

वारम कान जाजा जह गरत छ गरवन ।

कारान्यजायनकी वनरनज प्रन्त ।

कितृतिक कारान्य प्रांचा नाजिकात ।

काना कथनी नान तथा नाजिकात ।

प्रांचा कथनी क्रांचा नाजिकात ।

प्रांचा कथना क्रांचा कर्म क्रांचा ।

प्रांचा कथना क्रांचा कर्म क्रांचा ।

प्रांचा कथना क्रांचा क्रांचा कर्म क्रांचा ।

प्रांचा कथना क्रांचा क्रांचा कर्म क्रांचा ।

प्रांचा क्रांचा क्रांचा क्रांचा क्रांचा ।

सर्वित्क श्रोकृतित हाक अनदाति । ्रमान प्रवृत्स सर्ग करता का अवत् । "इ.रकड" "क। र छूड़ि "मानि" सकति निकर । शब (काम शूर्व (क्या मा) उद्देश स्वरमा । अकृतित स्वर्ण कांद्र कविकांत उरम ह श्रद मा श्रद मा सूत्री आंगोद समा। भरत्व (भीतर बल कथी (कब) इस एक्षिम मनदकद अन् अन् अत् अत् ट्यार बढ़े मान्द्रत अवन दिवत ॥ অরণ হইলে তীর দংশন আহার। विष जुला नारा (पहे प्रवृत यकात ॥ शास कड अरमरणात् कृति । कुल्क न। धारम उद्यक्तरण करत बाकियन ॥ विमालिन ভाরতের उठा ह यावन। वासिन्म। श्रांय कात्र ऋकीर्जित स्नमः। ८क्टके खांबीकका-धिशः महांख-यखटन । भूविल नार्रिक रक्षत्र कवित्र श्लोबत्न । न्षित ভাগারে यक आছित काक्षत। नटक विम चौंनी नर्छ। समूना द्रस्त ह मन्त्रका बाह्यिकांत्र द्वारमात्र अकातः। वर वार्त : क्टूरंड " एम क्रीतरण शकात ॥

· कित जांचि ! काय माहि असम नर्गतः। लिथनी पृथिक इत्र केशात वर्गतः।

এতি হে দক্তিন দেখি সরি হায় হায় ! ্বিবণ ভারত কীর্ণ নেউপের প্রায় a क्याभाष **डाहात टमडे ट**मांडा अभावता ! ं ८ रहत याका छेपनिछ जान-तम कृष ॥ cकाथ, त्मर्रे कविछोड़ वदन अनिछ। विवित मौस्यत गाँद पाहिन विदिक्ष । द्रांत । बर्ब स्मर्ट्स छोत मिलम नर्म । मद्वारण मा नक्ष रह कार्य की वम ? जारपांच धारमानगड महीकरणन। अर्जान-णिकरक करत दर्माध विषात्र ॥ प्रमा महिलारिक जांत महरू उँसा निज। कूतन उडडी कारक आरह साम्हानिड । हिंद मा त्यव मिन्दावां क कुबक मकता गिक्या मिलिद्दा अना छेथेट्स भेदन ह हिन छोटर मधामनी समेरी खेडि छिछ। यक नहरात्रा एक कार्यक । क्टर विश्वक किल हराइकाइ विनय। TITLE PROPERTY OF CASTREE

रही नवार्यक्र करिएक यखन। उद्यादिए कालगुर्च भवित ७३म । ⁺कक ५+डे ट्रिकारिनर महाया वक न्तारमव शीर्ख जामारमय समझन ॥ रेश कर दिलाम् यक्तिर्वद्य। मार्गाय निकाम कोल निका दिशमा (कान) र्शक गद्दा महकारत क्रिक्ता एउन । কৰ প্ৰথার সেই প্রতিম। স্থাপন ॥ कबाडीय शक श्रीय मनाउद्योग छ। मिकिनोन नरम राम्था। कर्व द्रांक ॥ र्थ क्यांनथक् भागाएक, भेक कुम्पत्र । . गांगद (पनीय यन भाग्न উপहारह ॥ ामब कहेश (नरी नि:व नत मान । जुरलांदक रोड़ित छत्व अमल मशाम ॥ --

यश्च वाहि छोत्राउव कुर्जामः मर्गटन ।

रेगेर जापूर्व यह गामिम आवर्ण ॥

रेगिर प्रामात्रय बोह हाह हाह ! .

উপনীত প্রকার এবটের উপায়।

কোষার স্মৌর্ছ ইনট প্রকাণ ভূষর !

কোষার বর্তমা ভাষা উত্ত ক শেষর ।

বোধার সীনের শুভ স্থাশিশ এক। শ ্ কোথার বনের রম্য জাঁকের নিবাস। কোথার ডির্মাভ দেশে প্রকৃতি বাহার! হার কোথা ভারতের দীনভা জ্ঞাব। না হেরি নয়নে আর সে শোভার লেশ। ধরিল প্রকৃতি যেন জন্য এক বেশ।

आमिरक् ऋतर्षे अहे तमगीनिकतः थन चिन करत भी छ भिरत मरना इत्। गांका मात्रा वांभाक्त कर करत. द्वत । " हन इनि (मग्र नां ११ व्यवरन मध्य v जां भी पिर्हे कारम इस्क्र निक्ष स्वरह्म भी कड राम श्रीकिक को होराम्य मन 🗓 👑 चयम भगरन किया महनी क त्या जात है। व्यामित्र "गिहिन" अहे रहित फलाश # हक्त भीरण अरम कूरम करतः ममकात । मिन्दूत रेखलारङ एक करत प्रकारकात । बूट्य ब्याटन शाकि कटत ब्यामिट्य जर्मन । शांविधि छोत्राक मात्री भरक्ष क्यम ! न्यवर्ग स्ट्रेश्य क्रमगीत क्यांगांत । त्तारकः बोक्कां वसंतिवस्य विस्तरमः निकातः । स्राहरत करियर जिल्ला करक वर्षे काहिए।

[65]

ভারতী রমণী-কঠে হইবেন তার ।
করিবে অঙ্গনাকুল শান্তের আলাপ।
ত্যজিয়া অলীক মিথা কলহ প্রলাপ।
কবে তার কুআচার করে বিসর্জ্বন।
ভান সমাজের হবে যশের ভাজন।
যত কাল মা শোধিকে নারীর আচার।
হবে না হবেন। দেশে মন্ত্রন প্রচার।

गीउ शिक्ष माती अहे कति ए जमन ।
त्कान निन हिल अक तमनी उठन ॥
यथन काहिल होत राम्वतित लीत्न ।
लिकात जानक किया लिखत निर्वादन ॥
भाजानि कठहे स्वयं यक्षित्र ठथन ।
प्रथत वात्र । मुहि जानि कथन ॥
हात्र । भूतन वक्ष क्वत वहल महुत ।
छाजिता है वाम्वतित स्वरूप श्रेत ॥
तक्षा जोतन विवर्ग महुत कथात्र ।
तक्षा जोतन विवर्ग महुत कथात्र ।
तक्षा जोतन विवर्ग महुत कथात्र ।
तक्षा जोतन । जोतन होत्र होत्र होत्र ।
गारण कि जाति स्वात स्वरूप जाति ।
तारण कि जाति स्वात स्वरूप जाति ॥
तम् स्वात स्वरूप जाति ।

करहिन् यथ ७० नम्रत तिमान । ছার মথে মত্ত ভোর জীবন অসার । অনিতাই ক্রিয় পাশে যে হ্ বলন। काशीनक। इस रमई जारम कि उसम ? **८६ दिशांजः 'करव हत्व कक्या त**र्जामात् । হবে একর্ণীর সুখ ভারতে প্রচার। करत मांजी वावजांग्र इंडेटन नांत्र। करत हरत नत करत छान ऐफीशन ॥ कर कर अमारीय मना दिलाकन। शृंदर्क कि आहिन किया इत्युष्ट अथन। निर्मिष्ठे योगि योग नोहिक कोशांत्र। ভাড়া বেঁধে ভিকা মেগে বাড়ী বাড়ী খায় ৷ কভু অঞ্চ পাতে করে শোকেরু প্রকাশ। कडूवा विकरे चौरमा बाह्ने बाह्रे सम ॥ बरक जेना कडू मरह मीतव तजना। **(मर्थ बाँहा त्मेरल जाहा कहा दमे बांगमा ॥** िर्जिक "एडमांश" करत काल काव्हानन। : উজ্লাকাতের চুরি করিতে নারণ। गांचिएक कृष्य बात गांक्टक मनाइ। 'त्य रिक कून कर्म बुदक क्रांत्र क्रांत्र क्रांत्र ।।

কৰে কৰে গান্ত গতি মনে যাহা লয়।
পাগল নিক্ষা ওটা ভাল কছু নয়।।
দেখে এর ছুথ হল নিরস অন্তর।
প্রিকে গেলেন রবি অন্ত গিরিপর।।
ভাবে বুলি ছুরবছা নেধিয়া ইহার।
ছংখেতে বিবর্ণ হল তপন আকার।।

त्गातृ नि इहेन त्ग्य छाम्मी याचेत। व्यनिविध पन निम ভिविद्य भूतिन ॥ किट्ट डेव्ह्यंक मार्टि ध्यमन मर्गानः খলদে "আলিয়া পুন হতেছে নিৰ্ধাণ ॥ कि भेनार्थ हम किया क्षक्रिक छेश्रोत । আনিতে বাসনা বড় ছইল আমার। किक ये (वर्षा जानि होनाई हत्।। उठहे जारमश मृत करत शनाशन क्रांख रहारम त्यारक करत विदक्ति क्षकाण । कितिया प्रतिञ्च प्रार्थ रहेवा रूजांन ॥* याहेरळ कांकरी दरत मारहित क्यंत । करमदक् भारतमा शांटक कहिन् मर्भम । यक क्या दिशा आदि मांकति ग्रम्म **एक द्वारा एक आधारत करत व्यक्तिया ।**

দুখে ইছা হল এই ভাবের সঞ্চার।
বিষয় সপোর মভ প্রাক্ত ইছার।
কেননা বিষয় স্থা যে করে প্রথান।
কেই স্থা ভোগে হয় সালা নিরাশ।
পুক্ষার্থ লোভে ষেই করিয়া যতন।
দে স্থা ভাজিয়া করে বৈরোগা খারণ ঃ
সমনি বিষয়ানন্য হয়ে ধাবনান।
আক্রেমণ করে ভারে "আলেয়া" স্নান।

নিশি আগননে যত উলুক পুলুকে।
করিছে কর্কশ রব মনের কেতিত্ব ।
শুনিরা পেতক রব রননীনিকরে।
গৌটামার নোঁটামার কছে উট্চেল্ফেরে ॥
ধন্য কুসংস্কার কোর মহিনা অপার।
ধন্য কুসংস্কার কোর মহিনা অপার।
ধন্য মানবের ছালে তোর অধিকার ।
বিনর্ভ কুজের ফেই ক্ষরের প্রধান।
তালে তোর কাছে সনা সেও আিয়মান ॥
কিশিত অরাতিবল ভীমনানে বার।
প্রেক কাকের ভীকে অল কালে ভার।
দ্রুর হ্রাক সলে অনীক্ষেই রনে।
দ্রুর হ্রাক সলে অনীক্ষেই রনে।

কৃষ্ঠিত যে নহে সিন্ধু ইইবাবে পার।
কুল্ল নাসিকার ভাবে গতি রোগ ভার॥
এহোতে আশ্তর্গ আর আর্হে কোবানার।
ভূতে পার বরু সোনে নাহি নেখে যাবে॥

গৃহকর্ম গারি হয়ে ইরিব অন্তর। वटमट्ड धकटंड चरे तम्नी मिकत ॥ उन्हें होटन क्ह कोटिय मधुत कथाता[ँ] ভাৰুন ভোজনৈ কেহ লবিণা বাড়ায।। किन्द्रामि डोमरित मिनि वर्त अक्नम। (मरथङ्कि 🛎 विष्कृति वपृत्त वेनन ॥ 🕆 বলে এক নারী সই সব তার ভাল। किन्तु किन्तु गर्फी मफी वर्ष। मि कॉल ॥ आंगारमञ वृत्तित लोजवर्ग डाइ। (क्र वटन वटने बटने किन माक नाहे H करणत को दिशी गंड एन कंड करने। गन भाग मकरणद चूंचन दर्गरम ॥ क्ष्म बरम किएमा हीत दिशत दिनम । अग्न (बन्न कांचे 'दम्भिन) क्षेत्र ॥ बीतात किरकत्र शक्षाक्षक्र मर्टबीवत् ।' " य निव यो छेष्ठि शक् 'ट्रेक्सम श्रुक्त व ॥ ' ' भात गाती गरण आगा वड यनकात ।

्रिकेनिया मकरम शक कारिमीत कात !! बल बक नाती दृः स्थ जो जिल्ला कियोग। र रम यातिम नाहि हानित धौकांग ॥ কত সাধে গড়েছিত এই চন্দ্রার। 'शोहाल' करत्रष्ट्र ष्टोश। निवंदश्यम अर्गमोत । शह क्लोबमांकूल । এकि अनक्ष। एति वास्मारक अरु क्लिम् आस्त्रोजन । अनुत क्यान मना यह कर महि। ইহ্কাল পারতিকৈ লাবে প্রফার। यनि कोन रह इह काशीत नियान। ्रश्ना इत्न लांत (कंकरत रायान । क जानदत्र दल दनिश्व मार्थादनत् कन। হেমাৰরে **কভিহিছেরি সমুক্তুল**। क्यां भट्ड पश्चरीय क्षर्यस्य भना। त्यांनरत कार्ड शर्ज शूर्व शांतर्शिक्कन ॥ - अड्डब र्वाल सन्। एक अन्नमात्रान्। चूर्य ठा जिसा कत्र-विमान जेशोज्य स ॥ চাড়ৰ ছাড়ৰ ছার রূপের-গরিবার ध्यकान अकान नहां कारिनद् परिया । ` . ` क्रकारी कतिहा इत मंडर मनामन मगतको जीको जाता जातिको जनाव वा 🗥 🚈

किकांव अलीकडाउ धन विमर्द्धन। मडा পडिलाड कर मनमन्भी । शांक्टिइ तमनी अहे द्वरत दर्भात करि । কহিছে সোহাগে কথা শিশু মুখ ধরি॥ ডাকিতেছে " আয় চাঁৰ আয়রে লড়িই। : त्माना क्षांत जानि घारत हेक्निया" ॥ है। करेश खरम **निश्च छेई मूर्य** होता। শ্ৰিণুথে কত হাসি থান পরে তার। करण मांटि करण कर्य करत रमन जान। य रन वारा कारा करत राष्ट्रां के ता म क्रान भर्मावरत सूथ करन थात्र होता। मृत्य व्याप व्याप रांनी मांगा, माना, रांता । तिशा निरात अहे जामना अभात। আগমন স্মৃতিপথে লৈশৰ আগার ॥ जनमोहारमुदः भूनं चारकरेखः यथम । **चित्र रमभक्ता अद्यामन्द्रश्यात् । 🔧 🐪** भंक वर्ष बंद्राः 'दर्ग' व एक विकास वर्षाः । करति है ज अल्बे को हो। में पूर्व संदेश महत्र ४-

करवृद्धि विक्रम काच स्वयान दर्शनाय । १११

ना निर्व देश क्या जारह त्याताह उपन

· En Tex de mat receit a citien a

্টাকিড ষরুর রবে ছুরিয়া যখন। हिलम। (म छङ्गितम मान अर्थनान। दाक्षण प्रकारम काम जाहिन मगरन।। अर्कृत मस्त्रांन ऋत्म घरङ्ख् रूथनः কভুবা চণ্ডালপুড়ের করেছি বহন। **्र य**ाज भूजाशीम धित्र म**र**्षकः। क्तियू मनांख्य मतन यथः मर्हत ॥ এরতে স্থান ছিল একতে শয়ন। अकटख कांनरम रमारह करवृष्टि अन्। s প্রকৃতি দ্বীন বেশ করিয়া গার্ল। করিত দেহার কত নান্ররঞ্জন। এই যে অপকু ফল অস্বর্জ কায় :-विङ्क्ति प्रयोग्योग वोल-इंतनाइ ॥ वाधिया (एटनामा : अके नाधिनी इं उटन। गरमहि वा मिहेक्सिक कछ कुठूबरन ॥ भूका का जाता कुछ बहे विक भरता। रहार्गन करबन्धि क**्राय्य**ात ग्राय दमभेर कि दबरमुख्यां इंदबरम् दमान्ति । কে**ব কোনে কৰাৰ ব্ৰেক্টোৰঞ**ুৱিত ॥ मैरिक् देव स्मित्रिक अर्थे एकलेक्ट्राव भी दर्ग ।

स्वशंदः वि भिविद्युद्ध र प्रमुद्ध क्रिक द किंक्स करः वक्षाधीय-क्षित्दि प्रमान । करविष्ट गः (स (नरण पीट्स भीनासम ॥ एक्स स्वश्र वि न्यामण स्वृद्ध प्रच्योत् ॥ कथन कि के करण स्वयंद्ध प्रच्योत् ॥ विरुद्ध कर्म करण स्वयंद्ध प्रच्योत् ॥ व्याद्ध श्रेष्ठ क्षाप्ति प्रच्योत् ॥ क्षाप उप्रमाद्ध स्थाप स्थापन स्थापन । भाग क्षाप्ति स्वयं स्वाप्ति ॥ भाग क्षाप्ति स्वयं स्वयं स्वाप्ति ॥ भाग क्षाप्ति स्वयं स्वयं स्वयं ॥ भाग क्षाप्ति स्वयं स्वयं स्वयं ॥ भाग क्षाप्ति स्वयं स्वयं स्वयं ॥ प्रविक्तं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं ॥ प्रविक्तं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं ॥

আহা বরি নিনি বরি মনোহর বেশ।
প্রকৃতি কুটাক কপে শোভিছে এনেল।।
উঠিছে শুনাক অই অনীলগগনে।
সম্বিক শৌলা প্রয়ে কুলকা ভূববে।।
তরাগের রাক্ষ্যাকা কিবা, ন্যানার ক প্রেট্ছ বাহাছে,রার ভ্রম্মার কর।।
টল ইক করে। কুল অক্সনীর কর।।
টল ইক করে। কুল অক্সনীর বে।।

त्माएं कड त्कां हिस्स निर्मत जीवरमें। विद्रार्ग अडीत भव एरेल निर्काक শুনি মাত্র ক্যকের নাশিকাস ড^{াল।।} कार, कारने वरम करव विश्वेरक रू^{किन} ! হ্য তাহে ঘটিক: স্কুল সঞ্গ^{নন} ! व्यवत्ने व्यवदेन रमन्ने कृत कृत ऋतः । थाजिश्वीम करत रमम गर्ब छे बत ।। व्यवना मर्नटम स्थम खोक्स जित्र करा। उर्शत जातूक करन जात-ज्ञा ।। কলতঃ কবির যত নিশি সুসম্য। निवरम जानन एक मा इस जेनम। হে ভারতভূষি মাত ! বস.গে! নির্মাদ ! जोट्ड कि क्षता उर कदित निर्माम करत कि-मिनिएड छ।ता कविडा तहनः সভাব সম্ভাব রচেস পুরামে বাসনা।। क्लि वर्षे श्रेताकारण सकवि (इथांग्र) উজলিত তব কাল কাবোর প্রাক্তায়।। श्राहरत अमन निम करव स्टब नाव ! হটবে ভারভ পুন ভারুক জাযার। बाज्ञित वर्षण्य अविज्ञात मन्। বিভরিবে ভবভুজি কৰণার রস ।।

टम विकासना की विधि देखारान । भूतां। भठिहा आंव छुविटा **छो**वन ।। वान्तीकि अरमरम श्रम कहत आंध्रम । ार्ट कि लिक जारम भी क दासारल । बद कि हि यूनांगत ! शून उन जमप्र ? र जून। को निस्म न्या नोहि करना पर ॥ ধাষ ! বুঝি ভারতের লাহি আর হিত দিদ্ধান্ত করিত্র ছেরে বিস্থাদের রীত।। **ेहे** त्य गर्बिंड यंड विन्छ। ग्रीतियोत्र। कटक्तरक कतिशां अन्य विनामस्य सार ॥ भारे करत सानामिश हिंड छेशंदरन। कारम खरम सिकटकड यूनी कि विद्रशव।। उपाणि अ जोशारमद रमथ कि कांत्रत । मन्पांदेखां श्रीवक्षमा कड वाकिइरित !! अगम दिनाम् वन कान् श्रीशाजनः। হিতের সোপান কোথ। অহিত কারণ।। द्य विमार्थिन इटफ द्रि श्रृणार्थान। শত ওবে অশিক্ষিত চারার সন্তাম।। विश्वाम दक कर जादर विश्वाम दक कर। चुकक जनान यात्र कुर्शकृतिक एव ? যথা বিষধর করি পীরর্ম পনি। ভূমতে গালে কাল কডান্ত সন্ধান।

-

क्टा व जम्रत अनि समद्र (राज। वारक मही डॅटन दुवि देवज्ञात (बान । ধরিরে ভজের ফিব। আদন্দ বিশাল। ाक नोटक गांध किए कटत क्या जोल a रमोतांक विनिहा तस्य बुना मास्य गाय । कांनी बल ভक्ति, जांदव भवनी लांकाम ॥ क्षावि गत्न कालीनांग कदिया अवस्। रेपक्षत कीर्खान किन भारकात क्रकन ॥ खनिषु ज्ञालत शास्य किंगामध्या स्थान रिवारकम कृष्य कांनीकरवरण अकेटलरण ॥ धानत्व एरकत् रहम अपुष्ठ होन्दत् । হইল বির্ক্ত মম তাপিত অন্তর ॥ প্ৰিলু হে ডান্ত হায়। একি ভব রীত। জাত্তকরে বিভূবলা হয় কি উচিত ? নে বিভু করেছে স্থটি জগ্ত সংসার। **ए करत्र ए विरम्धकी हिं अंगेंड थोजात ॥**

क्षांनिक्षिण निर्वासी क्ष्मिनेत्र अन्यास्ति तिमारम थाण्डिस्

वें होत जो कार्य (मर्थ धोर्थत जर्मम ! বিস্তারে জীবনরূপী উচ্চুল কিরণ। निनि यात्र मङ्कल यादात आतिर्न। नामरक सम्बन्धी स्वविश्व (वर्ष । याहात के किएक धम विदा कि पश्रम । বন্ধা উর্বরা করে সলিল বর্মা # (तथ यह कटक्रांनिमी वैक्रित जो आति। इम्युत कलनार्त मिन्न भीरम बात ॥ शांत वांदका एक्नजीह श्रीमन गड्डिन। गक्ष्म निकृत्क करत विश्व कूणन ॥ याहरत जारमान क्षेत्रक मुध्यता। করিছেতে সকলের শ্রীর শীতন ॥ थांत रोटका विषयत भवन छेनात । गांडी (जारव युवांदरम मानव निकरत ॥ দেখ ঈশ্বরের কিবা অন্তত শ্কাশল। . मरव ममस्रोरव मोद्ध विटम्बेड मस्त ॥ अहे या भीमर्भ मठ श्रह्मबद्ध्यान। **এই যে कामम माछि यहांक अयरंग** ॥ वह त्यं त्यां डिट्ड त्यां यां यां में मामत्त । अहे दर महली भून प्रतिक कर्याल । वहे य निषित्र स्वयं कलांशे समात्र ।

[88]

এই বে সর্বাল সন্দ গতি ম নোহর ॥

**

এসকল করে যার সুকীর্ত্তিপ্রচার ।

বাজীকর কভু নহে স্থানী তাঁহার ॥

অতএব কুসংস্থার করিয়া বর্জন ।

ভক্তি ভাবে প্রাণেশের লওরে মারন ॥

ভান উদ্দীপনে কর কলুব দাশন ।

যতনে বিভুর আজ্ঞা করহ পালন ॥

--

दमल इडेल भिष महर्मित महम। खराटमट्ड एनिकांग आंमिक गरन ॥ याहे (७ शर्यत शंरान सिशा अन्ति। অন্তবে উদ্যুহন কত শত ভবি॥ ल्मा किटल क्षेत्रोक एक तथा छेलवरम । कार्यक अदिवास भित्र हुलाह गर्गरम ॥ মোহিত অন্তর অত্তরকের শৌভার। धट्रटक प्रकल जारह त्थावांत्र त्थावांत । ल्लांटक मार्बिश गांव एक मरनांस्त। লোহিত বৰণ তাহে পদ্ধৰ ক্ষাৰ ম त्वांध इत रवन श्रेष्ठ त्रविरक जाकारण । ट्रित्रा उट्टेट्ड् डेट्ड् मिनदनत कोटन ह मिक्डि बद्धा कूश खुत्रमा लोखी । क्ष्मरत मक्षती लाटक जानि माहि जात ॥ के दिन भक्त है है है। क्रांस उक पर ।

অভিনৰ মূপে তারা শোভে শভ শভ ॥ মিশেছে একের ডাল অন্যের শার্থার। রয়েছে নিকুঞ্জ কতরিকের তলখে। সারি সারি শোভে গোলা বেত্সের নাড। লাঠীর কারনে কভ হয়েছে সংহার। अभन ज्याल भीएज नभूत्र वस । पञ्च लट्य वटर जाटर सम्मगरीतन ह ৰসিয়া পিক দম্পতি শাণিণী উপরে। নিক্ঞ গোহিত করে কুত্কুন্ত স্বরে ॥ ভবিছে গোসাগফুল আহাবারেবলে। वोहिति क्रमन् शून लुकाग दन्दम ॥ नाथामूग करत तरक नाथां म विशेषा কিচি মিচি করে করে ক্রকৃটি বিভার ॥ वरक रकर रवरिन जीता करत संकृतन। तक हिँ फि मृरथ शृंदत नदीन शंहात ॥ **क्रिट्रा आंगरम्स नामि कृषिएक रव**क्रांत ।" ८कर जरब मरिक नारक भाषात भाषात ॥ अरह जकान ! मेर शहरेष टगटकह । त्रांत कि अवसा नांक माना खाला (करवह ?

अरमारक नाकन औष स्टेशा धर्मन । श्रीकृषित रकामारमंत्र कूल नीको कन ।

कटह लिक कूल! अहे खटचेत मगत। बदाश इटेर्टर नग जिल्हाही नग । निमाध-मोर्क्छ-जोर्ने इहेरद माँ रत । र दिना बुद्धम, अई स्वर्भत ब्रद ॥ কি ভাবে প্ৰায়ন্ত কান্ত এতে কলিগণ! गामा निर्माष द्वारका पुरिस्त अगन । त्र दिक तरदिक करे तद्य बीक जोए। ८०८ल ज्वकुष्टिं गांख इ**हेर**वन मात्र ॥ के क्रिया क्रिया विकास क्रिकेत । কালের বিকট দত্তে হবে চুর মার।। একণ্ড ছুদ্ধান্ত দন্ত করিয়া ধারণ। । भन्दारम करत कान भक्त र्भवत ॥ के कहत कथन कांद्रत माहिक निम्हेंत। कृष्टिन कोटलब भाषि (दोधगरा नग ॥ क्थन धनीत धन क्टत वीत्रमां १९। निय्वन शरमधा काला अंकार्य !। সত্যের নগর ঢাকি, অঙ্গান্তিনিরে। विकारण अगडा दमन विकानिस्दित।। रवर्षात्म विक्रिक लिएन स्माहिक मधम । প্রতিধনি করে তথা পশুর গর্জন ।। गहन कामरम स्कांका एशारक स्मोत्रगन ।

व्यक्तिष्ठ शिवित्कद्व दिन्युव्य-दन्ति ।। 'ছেল কাল রাজে। মর বস্তি ভোগার। इर्द कि इर्द कि उद खीशी इ द्रमात ? वाञ्चा 'छव बच्च अतः ८ श्रेत्रभी मन्दर । दशीवन कर्न्ड धमा लिल्म उपयदि ॥. विश्वि जब जनदश्त वहन नहती। अवटन र इंग्ल अञ्चाल निवहित । वं 🐒 उद दम मतः दशमामङ्गा পুল্কিত কর চিত্রহ্মা কথায়॥ नाक्षा ভব ভূম अ**ञ्च** विভिন্ন বসংग। রসনা করছ তুটি স্বভোগ আশংশা बाल्य उर बाज कड़ खत्रमा जनता। अनिवर्श कत दर्भ तका का का का का किन्तु अमक्त मूथ इहेटव विनय। अमिला भीर्शितानम् निका कष्ट्रनत् ॥ द्यमास मानम । यह यह देशदनन । घउटन क्**त्र निजः यस्थत उ**द्यम् । क्टल दन विश्वक्षांनम् क्षत्र विकाला। नश्रतिवत्रप्रदेश दक् करते श्रीतिम । यथा चात्र जगिन्ती अन्नक इ-व्यक्ति। कां महोटन क्रिनिडोबटक अवक पोटनटन ॥ जाराभंग व्यागम भगटम जश्रम । लाएक यथा मीलाबद्द शिविक का अम ॥ किन म बाकारण नेनी इहेरल अक्षान कतिरल जेक्कल करत जिमित्र विश्रोग। रिভাতে विकित हर सक्त मिन्द्र। अक्रकात महर्भ शुद्ध शुद्ध नव ॥ (महें तथ हताकां न छट्ड छोडनन। অজ্যনতিনিয়ে যবে করে আক্রাপন। অনিভা পাথিব স্বখ নজেতা মনান। উঠিয়। শুলয়াধনে শ্র শোভিনাল ॥ किक निजामक ठल रहेटल विकास। করে অকলন্ত করে সে ভিষিত্র নাশ। अज्ञानक। मेर् २थ अनिका कथन। गञ्जा कहनस्यत कात्र भनाइन ॥ ---

আহা মরি। পথপরে কি ননোরঞ্জন।
নৃত্য করে পুচছ লৈড়ে গঞ্জনীগঞ্জন ।
কিরূপ চঞ্চলভাবে চরণ চালায়।
এই দেখি এই ছানে এই কোথা যার।
খুটিরা খুটিরা ভুনে করিয়া লাখার।
বিষ্পদশ্ভি স্থা করিছে বিহারী।

अंदि करन विद्या लिया नामा यरथ उत्र । বাছার দিওল হথ দাম্পতাপ্রনা (१ शिकिमण्डि। यस तसह आंगातः। अगन समात नांक निशित्न टंकायांत ? न एवं न एक मर्खनीत गुडा भरमा इतः। श्रीयक बांबत जिल्हा (मार्क मित्कत । সরস ভল্পিমা কত করে সে প্রকাশ। मु एथ रुम हागि आंत्र महत्व विलाम ॥ < फिक्रिवियून !' कांद्रं। csta; त्मरहा कांट्रह नर्खक गर्खको क्रिडे इत्राम कि आहा ? असांग्र नर्खकी नाटक सानज निकात। তোমাদের সুতে। হয় ভক্তির সঞ্চার॥ नकात्र नर्सकी मना कामुद्रकत नन । ভৌনর। ভারুক চিত্ত করছ মোহন । হে ভোগবিলাসি ধনি। কর দরশন। किदारत कारगान एट तकिमानाइन ॥ कि यथ उद्गास जोरम जोत्क मन्छ। রত কি পীর্ব পানে, আহে অরিরত 🖟 तरहे बरहे नाहि छोड़ ऋहिक्श दोन । तमा कड़ि लिका भेटर मा कटत मिनांस । 👵 "मनोद्रिके" वज् कक् "क्वोन" मा चीहा । 🔻

82

সাধারণ ভোজে তথা মাঝা দন পাছ ! ভথাপিও অনুপদ দেখ দুখ ভার। कि इति जोहोत कोटन् योवस जीवात । कि पूर्व को गांत रस भागक याजान ? ्यत्न करिटङ् छोट्ड भन्ना श्रेत्म ॥ खुक्या जनरूस दल कि सूर्य दर्शनोर ? म् कुक्रवाम मार्च दम करन विहास ॥ कि मधुर रम उर "कांनवांड" भीड । নিকুঞ্গায়ক তার গংশ ফল্লিড । कथरि दर्जागाद्य त्यार्थ कुलके। लागती। काकभटि उच्च स्थ काद्य श्राहतसम्बरी ॥ 'ट्रामात ''गर्नाटमत " ट्रिक ओ अ मध्यात मध्यात । विভাৱে শীতলকর মুরাংশু ভাষার॥ विनश्वत धनागात्र आहरू ८३ (जीवातः बाधव अजाव कार्य जात्र व्यथितात । চিত্ৰপট কি বিচিত্ৰ তথ নিকেতনে? विश्विष चात्रक देखांद्र मतनात्म ह কি সুখ বিভবে কা ''আভবে ' ভোষার : नाजिका महन कारव क्यरम छांबात । व्यवीक बार्टमारले मञ जूनि निर्वेदत । विकृ ध्थानां के जना करिने व्यवसा

মধু পালে চুলু চুলু তোমার লোচন।
ভক্তিরস পানে স্থী ভাষার জীবন।
চবন নিবসে তব স্থা শেষ হয়।
সে ভাবে প্রকৃত হথে সে নিমে উদয়।
জতএব ছে বিলাসি। বলছ জান্যী।
স্থী বলে সংখাধিব ভাবে কি ভোমার।

श्वीद कि छात्व सम हहेल त्माहिछ। হেরিয়া অশেকিডক প্রত্ম সহিত। जूनि कि ट्रंटमें डिक यांत्र म्लटमटन । पश्चिम। **टेवटमरी लक्षधारम वन्मी**रवरमा॥ ক্রিলা বা কত শত হাছাকার হুনি। त्राधवित्रहानत्न द्राघगरगाहिनी । किन्छ जात सर्कामल एत्टात यात्र। সেজেভিল। তুমি ভাল প্রস্ন ভূমার ॥ করিলাকি ভাক্তভাবে সেবন তাঁহার। इन कांगमत्म यात जारगात मधात ॥ क्रमीडल कहिला कि वित्रह अमने। किया बूडाईमा जाँद नगरमद जन ॥ रात्र अभि निर्तारण (स्थि छव छाव। डेनका हत जनकात महित प्रकार

মত অহতারে পেয়ে হচাক ভূষণ।
দহিলা কুমুম গন্ধে তাপিত ভীবন।
মাধীর দাকণ শোকে ভাষিল না শোক।
ভাই বুনি তব নাম হইল অশোক।

· ---

कोहिट्ड वमन कमा करत्र क्रिता क्रीत ! করিছে সভার তুই ভকর সংহার। कृषिक मांत्रिका मूथ दिक्षे प्रिथिए : উড্ডীন পাদপ **খণ্ড আঘাতে আঘা**তে # किन्न महीक्र उद् अकारण मारल। ছায়াদানে অঙ্গ তার করে স্থীতন দ कुलिएक भाषिमी अधा मन्त्र मन्त्र वांस तांथ इत त्यन ভारत कांगत क्नात ॥ (इ उता ! कति॥ उव छाव विद्नांकन। করিত্র শিক্ষক পদে ভোষার্টক বরণ। यमा रहारङ এই यानि कतिनाम नात। कतिव माल्य मारमा मिक वावशावा ॥ यनि स्मारत द्वार्य दक्ष करत करूँ कर । প্ৰিমট বচুলে ভার তুষিৰ ভাষ্কর 🛊 यान दकर पुरस् कार्रा करत वर्णयान । नगंगदर चार्ति छोत तांड्रोहेन मान ।

क्षि दक्ष कटत त्यात भतीत शीक्त । जय। जल्हांबरन छोटत निव कानिक्रन ॥ मित देवस होट्स शोटन कहिट्ड मश्स्ति । व्योगि निव गाम जोतं वज्ञात दास म हेट्ड यनि टक्स्ट्रपादन रनदम् रांड्न। बांजुल एक ब्याहरू बल जात मध्युल ॥ যে হিংসে আমারে যদি করি ভারে দ্বের। ভবে কি,জানার তাতে ইত্র বিশেষ। वाजि एक किन्नारम स्माद्य अस्त्रम कार। निरम्भ कतिव हुक द्रिभात खडाद । हेटल यनि स्ट्रांग (मोटल कार्यास रम क्य) निष्ठम आर्याथ (सह अर्यामण नम् । ভাষন ছইতে সদা फानी लट्ड फाम। मिनिमिशिउइक्ष इश्म करदे भीम ।

নহা ছিল এই ভাবে অন্তর কানার।
হল তাহে আচৰিত ভয়ের লঞ্চার ॥
ভরে হোরে অভিভূত কুরদ বেবল।
রক্ষিতে জীবন বেনে কুরে পালায়ন ॥
এল বলি দাঁজাইরা বদন ক্রিরার।
প্র রড় বের পুল ক্রিরে কিন্তে চার ॥

(महे मछ भारा अहे निविष् क्रोन्त । সচকিত চিতে যাই চঞ্চল গদলে। পুনঃ পুন: ফিরে চাই পাইরা ভরাম। भारह्वा मार्फ्न करह कीवनविनां में कर्राष्ट्र कारल इस हक्षात एउन्। bt क अकू महत्र वंद कदि प्रत्नेत h नामिल अनत्। खण्ड मतूमीत कन। त्मारक मथा भी नवर्ग सम्बद्धा **डेड्ड**न म क्नीत मीमस्ड किया मिनत ध्वकांम । বেফিড জনপদলে স্বৰাংশুড় ভাস ॥ कित्र। नार्गन कारण गया, त्यांश्वल तकनः षिक्षे था को से मना का मार्ग मार्ग का কিব। চিরত্রখে হলে মুখের প্রচার। यलिन तपटन एवं शंजित मक्षांत । **टममुको**ख संशोहेटक वृत्ति नितस्त्र । ष्ट: श्रांबरना त्नारक अहे मूर्च मरवादत ॥ ग्विशीर्व किया गरमास्त अभावन। रमोत्राक स्मीहिक करते नेथिएकत यम । मेकिए क्यून कारन मानिनी निकेत। acres diferi feri sint Beis त्रायका त्रक काना कुमाननीय।

मूक्त मण्यं अरे ज़तमी-जीवत्य ॥ र्भेभ मल क**्त्रकत मित्मत्मत क**्त्र ४ গেলার মরালকুল ভাহার উপরে । মপুর্ফ ভাগায় কত কদলের পোতা। भूरक्ष श्रेटक कारक जारह वालि मभूरमां छ। । এমন প্রাচিরপ করি বিসেক্ষ। নাহ্য বাহার চিত্র প্রকাক মগন ! কিন্তু সন্পুম ইহাহতে নির্মল। गानममहभी कन अजीव डेक्ट्न॥ रियास्त्र क्वकाल (मिन्स्ल करल। ममां करत राज भल श्रेडिविश छ ला। কুমতি শৈবাল তথা ছান নাহি পায়। সমতি মুবর্ণছংসী খেলিয়া বেডায় ॥ বিক্শিত তথা ভাষক্ষক্ষল। বিভূপোন মধুতাহে অতি স্বিমল # इंडरत अभक्त कीव अह नवूर्राटन । গাওরে প্রাণেশ গুল গুলগুল ভালে ॥ হেন ভোষামূত জীব যদি কর পান। कामत स्टेटर उटन कामत नेगान ॥ এই যে সংকরি ভবি ছুখের আগার। ष्ट्रित (जोमांत कार्रष्ट् श्रेट्स्य कार्यात ॥ পৃথিৱী নরক ভুলা লম্পটের বটে। কিন্তু ড। সৈতুর্গ মিভ প্রেমিক নিকটে॥

হেরে সরঃ ফাথ-চিত্ত, বুন দেশে ভীত ছরিক বিষাদে ক্রু মাঠে উপনীত। তথার গগনে কেরি রবির প্রকাশ। প্রকৃত্ত হটল মন অন্তর অকোশ।

५.कृष्याः ।

याटित चार्य किना सम्पत !
दिशिया ताथि एन जासत ॥
तमनीत जाद्य (माणिस्ट कून ॥
खक्रदर त्यथारम जानित कून ॥
मह कून त्करण कार्याम जाद्य ।
त्याहिल नहन ''त्यह हैं" गोरह ॥
दैशारि होना उन्हें इन ग्रुडिश ।
त्याहिल गरू पृष्ठ भौहिन निशो ॥
कत वाथित तकर जूनद्य थाम ।
तकर महे तम कार्यम गोन ॥
ताथारम ताथान हज़ास जास ॥
किमा तथ्यम जानिस गरू ।
किमा तथ्यम जानिस गरू ॥
किमा तथ्यम जानिस गरू ॥

लिय थांत्र योग छेनत स्वीत ॥ - रीपा कटड़. ह्कर कुलियाः निहा (कह त्यह क्लास् वदम नहीत ॥ **७ हे इत्त यात्र क**तिश्र **इव**। काकान वाकिता तम्बी नव ॥ প্ৰান করি সবে চলেছে ৰাড়ী। विनि राजामात नहेशा दाँछि ॥ কার হাতে শোভে ঘোড়। মাটিয়া। **८क्ट हरन स्थाउँ निर्द्ध करिया ।** कांत्र हार्ड (मर्टे श्लून मारक। े हुम हेनि कांत्र करत्र छ वाटन ॥ (करू करहे मृद्ध मतुङ्ग खरहे। মরেছিল প্রায় ছুন্তর বাড়ে । আর না লছব তীথের নাম। ट्न जीर्थ शाम दकांकि आभाग म हिन उथा अक हफ खांचन। माजीशार्व कट्ट बच्छे वहन ॥ (इ अवन) कूल । े धन**्य (पेन**) । जीर्थतारण वल सार्व कि देवेंगे । जारव द्वा (मेरे गेरिस **११व**) टेमरल এउ क्या क्यां के महर्दि । आंत्रडिल फिक्क कथा श्रेतीन। কওঁ মত দিয়ে বাকা প্রমাণ । हिमाहल मात्र खटमहा कारम । कितोरम शक्षकी यूर्य त्य थोरम ॥ किसत वर्शमत मनः विश्वतः। রসরকে সেই গিরি উপরে 🛭 भोती महण्य गमा विरुद्ध । অতি সমাদেরে শশুর ঘরে।। ट्स मत्नोइन शिवि छिछत्।. उक्क इरम मर्दय इम खन्मत । পুর। কালে এই তীর্থেব রাজ। (महे मटदावद्य कृद्य निहांका ! বথম ভাগ্ৰ'পিত আক্ষাণ। विनोटन जनमी शंक्छ गांच # माक वर्ष बोर्ल करत कुर्रात । কোথা নাহি হোল মিন্তার তাঁর ॥ পরে দেই হুদে করিয়া স্থান। कर्मगारम वाम श्रीकेता जान ॥ वानिन। जोर्गक बाहरत छोरत । ख्गीवय यथा काहत समादव ॥ थना अच्चपुत्र अभारक एक है।

, नारत जनरहता डेविङ सम्म মিথা। নহে কথা সভা নিশ্চম। विमः हैं। तथ नत्म श्रुना मक्ष्य ॥ *ज़*मोछ डाहार मंगार बारग। क्मन जुलिए क्लोक नार्ग ॥ ्र<u>भा</u>रनारक ग्रंथ। स्नारल (गर्वा। अभन्नी **उपन पूजरक** त्वरू[।] ॥ श्रीताल जागांध जनगिजरल। ভাষার আকরে ছীরক জুলে ॥ এত रनि विकटिश्ला भीतव। ल प्यांच मलिना इमनी मत ॥ শুনিয়া দ্বিজের এতেক ভাষ। . অপুর্ব ভাবের হল প্রকাশ। निष्टि भिर्माद विलिल्ल नात । ভবতীর্থে কাজ নাহি ভোষার 🛍 · खडान डोटर्थ यस इकादत इता। विकू ८ थेय यो एक विमन कान ॥ हुछ त्महे नीरत मनः मधनः ভক্তি ভাবে শ্বর বিভু চরণ। क्षि हरन जारह दमह रकामान । कान कारक देश जीर्श कि होते।

প্রাণেশ চরণ করি মারণ।
বাড়ী পানে স্থাথ করি গখন ॥
বেতে পথ পাশো নোহে কন্তর।
"চলিড! তলার বেল।" স্থানর ॥
বনেছে দোকানী বাজার দেরি!
পানা জিনিমের লইয়া চেরি॥
শত শত কত উঠোছ ফল।
তরমুজ ফুটা বিলু সকল॥
তথা হৈরি নাবী সোনারাকার।
নয়ন গোহিল স্কাপে তার॥

लघू (होशमी।

नवीमा नागती, काशांकि समाती ! कार्श विनाद्धती.

माँ पार्य व्यारह।

मिलिमी लहेशा, निक आह निशा, जिल्ल रहेता

'दमलांड काटह n

वनस मञ्जल, मनिकि छेड्ड्वल, करत नाल मन,

(क्यम भंभी।

काणन लाखांश, मन जूल गांश, छेन् कि जारा है,

क्लक मनी ।

मारिक मसन, दरविद्या नंतन, मोकिट प्रकन

MA

বুলি বিধি মনে, গড়েছে এগনে, ভাটনলে কেন'-হইল হেন॥

ছুঃখি বলে তার, নাছি অসমার, তুকরে শার্থ- ' বাউটী সাজে।

ংশ রূপ যার, বলহ ডাছার, ছার অলকার লাগে কি কাবে॥

পীতি ললমার, কেমল আকার, ধিকু ধিকু ভার ধিক জীবনে)

হোষে শিলাময়, • রেখেছে + নিলয়, শশুর আলং হেন রতনে ॥

পতিপ্ৰতি ধিক্, কিনিৰ অধিক্, গিক ভভোষিত বামন কুলে।

এমন বালায়, ধে কুলে জ্বালায়, জ্ঞানে কৰে তাং শাৰে সমূলে ।

্ প্রার।

হার । একি লপরণ নারীর আচার।

●ইচ্ছার অধীন লজা দেখি বে তাহার।

দেখহ দৃষ্টারে তার এনারী হইছে।

এনেছে কেন্দে হদী বাজার কেখিতে।

দহত সহস্রী লোক হয়।

আনের ব্যাক

अभिनटत कोटक् त्नोटन कोटत को अवस्ति ॥ किन्नु (१ अवस्था ४८%) पंजित जनाम। বঞ্জিত তাহার নেত্র আঙ্গিন। দর্শনে । হেরিলে ছায়াতে কভু **ন**রের আকার। বৰ মুখে ঘুন্টার নসন বিভার ৪ বিন্দ্র হইয়, থাকে নত করি শির। **छलिएड यमिशः शहर दर्कावल भरी** है। युक'डः यहम छोका 'श्रहाजिनमूत्र । डों क मांज "ठिठि" वर अवर्ण मधुत ॥ रचीनदन इसनी बटडे लार्ड बाधाव। कांटन व महम जांत पाटक नांकि आंत ? বাঘুরোগে জন্ন হলে প্রাতি ঘেদন : करत ভয়ত্ব বাড়ে জগত शीहर ॥ नोका द्वारम खक्ष यूथ दशेवटन नामात । শৌঢ়ায় সে মুখে হায় | কলহ সঞ্চার ৪ यथन कम्मदल एका टिंगोतीत दमन। हिडोहिडे ज्यांन जांत शांक कि उभन? मश्मात क्रमात कांत्र कप्पटनत् दर्गाट्य। वक्षत्र विरम्भूतः एव तमनीत दहीरम । र्भनात जन्म कर्म कलटहर स्कारत। विकृद्ध के जिल जेली विक् बिक दर्जादर ।

र्गामः वट्डे लड्डावडी काशिमी त्रुन। निलक्ष नारीत रहि अधना जीवन ॥ जीयमीत जूबा यथा उख्रमा डेब्ड्र ल . मत्रभीत जुगा यथा विकष्ठ कश्ला॥ वमरखत जुरा यथा कुलगनिकत। নিকুঞ্রে ভূযা মুপা কোকিলের স্বর ॥ বীরত্ব ভূষণে শোভে পুঞ্য যেমন। त्महे गड तम्बीत नक्डाहे **पू**षत्॥ কিন্তু কোন লজা হয় ভূষণ তাহার। বারেক দৈখহ তার কোরে স্মবিচার॥ ट्य लांट्य कम्पल खांत्र करत निवादन : যে লাভে মুপ্রিয় করে অপ্রিয় বচন । त्य लांख्य कतरह जोत (प्रत्यत मेर्शत। रच लारक बांतन करत शीन वास्त्रित ॥ थमा वर्षे दमहे नाज दमनी पृष्ता। रवादः युथ होक। नाएक रकान् धारप्रक्रिक । ् हिल तरक धरे जब जीवि गरन गरन। প্रथत मीर्घ छ। करम करवाशक्यत । বিশেষ প্রকৃতি তার অসীম ভাতার। करत मानम आमात होत्र अकि ब्रक्तिम वि

[७७]

অস্তাচলে বুঝি ভাতৃ করিল। গগন। হেরিয়। মার্ভ্র অঙ্গ পাণ্ডুব আকার। चार्का इन अक जो हुत मध्येत ॥ গৌরবে বধন রবি প্রভাত সন্য। कनिता डेबनि भूपं परिका वानगर ट्रिवा राजार्क क्रथ विश्विमीयन। कूल कूल द्रदव रेकल: यञ्चलां व्यव ॥ रमञ्चमः वीत्र लाह्य श्रीति गाह्य घात्। ফানিল। প্রভাত।নিল সর্ সর্ ফরে ॥ मिथ जात सनतीन मन्त्र मन्त्र होन। বাজিলেক বন্ধার পার্ম উল্লাস ॥ त्मारां कृषिमी कांट्र स्वतः वरेशं। नाजिहेल। महानत्म हो मिला हो मिला। এই রূপে গত তার শৈলব সময়। मधारक रावन जामि इकेन छेन्छ ॥ বাজিল তথ্য তার প্রতাপ অপার। বিদারে প্রথর করে অঞ্চ বমুগার। इहेटनक मलिमीत भूर्ग काडिनाय। कूमनी बहन यूनि इहेन इंडान। कत्क्वाकी इंदेशक अवटत वसन व क्लि, अंबुक्शेडि-इंटकोटर व मन ॥

क्षारविश्व अकेक्ट्रत (पटच कोटडे तूक । मसार्थ रहेना अह भनाम डेमुक । এই মত ভগতে কঞ্জিলা অভাগির। চরমেধরিল, রবি পাও,র আকার ॥ (र) तन-मन गङ अश्काति नतः ! त्रथ 'डांग**नीट ज**ाच दम डांग्डर कर ॥ যেগতি রবির হায় সে গতি তোমার ! इस किना एस एएटर प्रथ अकवात प्र र्हेन **क्षमम उद** क्टाल गर्मन। कतिल मञ्जनश्मि कुलाजनागन ॥ (म ७ ड वांत्रका मृड शतक डेब्राटम । कहिल शंमियां मव वांश्वत्व भीता ! कोजूक कविया श्रत्यामिनोहीः य**छ।** (मार्था अपरश नाश नाशहन कड । **रा**श गाउ अके बङ टेमानव टक्सपात । পেয়েছ कोवन ब्रास्का भूव काविकात ॥ त्याद्यकः महीत कान्ति कृतनश्चादमः। করিতেছে কভ মত সানস্চালম 🛊 🤫 कारत महाशिष्ठ कर दकारक अविद्यात । कारत अधीकक (कारत केला) विकास क कारत्वा महत्ते कहा थित महात्राच्या कारत कक्षे कत जन। निर्हत कटरम ॥ करेरक कर बरम सेर्त शेश्व क्या है

कांद्र पर मित्रखत विष्मुप प्रस्य । कारत कत मोनहीन मण्याख इतरन ! कारत कत धरमश्रेत वर्ष विजतर्भः। कारत स्थर्भ नाहि कत दकारत दशकान । कारत समानदत कत डेक्टामन भाग । করিতেছ কড মত ভঙ্গীর প্রচার। अमात जिल्हा मन इतनाइक भात । भी उ शक्त शाहर स्था क्रश शंक स्थाहर । हफ्रकांन आहि ७४। योग्सन्त शाहि । এই যে চাচর কেশ অতি স্বচিত্রণ। জুরার রজত কান্তি কুরিবে গারণ। এই যে মধুর তুলা বচন ভোমার। वनम न्धेनिङ इटन तूना इटन छोत । নরন তোমার দূর দর্শনের মত। किन इत्य (महे कांत्र मधिनक्तिइत । . लामिक इहेरव माश्म कूळ शृष्ठरान्य। जीम इरव[्] मंद्रीटतत ऋष्ठांक ऋरवन ॥ ै और एक ठतन कत काकि वनराम। वास का इवन द्यारा एत समाना **এই यে मनिज भीज मिक्**शकांगरम ! श्रदकि मेशुह कांग विदेश अवस्था।

ুবসন্তের মনোছর প্রেম্ব সঞ্চার। শরতের জ্বফলের হুগ। সম ভার ॥ भूतारवना रिनरे कारन जामात राममा। चूरितमा चन्नरमङ मीत्रमत्रमत्। ॥ विव्रम कतीर्घ भाषा कारभव कूत्रव : বিয়ক্ত করিবে ভূমি স্বাণ বান্ধবে 🛊 িফলতঃ নিছার যে)বনের অহকার। थांकित ना जांत उत् धांकित ना जांत । (र्युत) ! अनिङा (अरु जौनिष। निम्हत । কলুষ বিদশ কর ধর্মের সঞ্চয় # অধন্মী ছইলে এবে ুমততার বশে: সন্ত্রাপিত হবে শেষে চর্ম নিবদে । (पर जन्न हर्त रिक्ति महन्न महन् जोते। অসর আতাহি রাগে কোর না সংহার ম

दितियां श्रीतिय श्रिमीयक विकारत ।
वाटम यात्र माला श्रीत विमानगम्हन ॥
वानत्म क्रयक कांज कृति ममार्थम ।
श्रीतियां कृति श्री विनारम आर्थम ॥
कांगात कृति श्री किया मन्मित्र ।
तरश्रह नुकारस छक मीचात विश्वत ॥
रहरत्व कृतिरह मोचा श्रीतमार्थस वास ।

(मर्थ। योग शृंह श्रेन मज्दत लुकां ॥ यरी कुनदर् थूरन यूथ आक्रापन। श्रमकात पुरुषेत जाकित्व वपम । কিরব অবলে আহা ব্যাকুলিত মম। धौर्य करत अधिश्वनि मृगान क्रम्न । नश्न यूनिया छेम्बर्थ महि यहि। क्यूक कति एक् बाउन भी एक त नहती । কিছ ভার অদলের হেরে সনাচার। कांच्र ऋरण नाहि इत्र कक्ष्णानकांद्र॥ रहारत जात दूर्ण दुशी विषश अस्तर । चत्रुतकतः पन चारे कांटम खेटेकाः चात ॥ হে মৃত কলছপ্ৰিয় গাণৰ ছুৰ্জন ! শৃগাল প্রকৃতি জাতি কর বিলোকন চ যে একত। গুলে স্বৰ্গৰা সি-সুৱৰ্গণ। धीरल कामृत कूटन करतरह मौजन । न्त्रथकती रम धकनः कि न्द्ररथ वित्रोरण। कामहीन भागहीन शक्त नगरक **घटाउम कि क्रिज्य श्रीर्थ निष्य !** ष ष छा। यह रकन निक्रके न। एहा। **এই যে ननिङ गोङ निक्कारोनस्य।** रत कि मधुत प्रांत विशेष स्वर्ण ।

्थकर्षात अञ्चलन स्टेटल वक्तम। मन्ड मंद्रकारी करत मन्यानन । প্রজায় লা হয় যদি দেখনা (দুখনা। नन्ति कति एक् । भेर हत तह म। ॥ क्यांच शेरणधिनीत्व माञ्राका मन्त्र। করিতেছে পলাকীট দ্বাপের নির্দ্ধাণ । किया ग्राथ सिक्तारम भिली निकामन। मौत्रम निशास्त्र करत मत्रम जनन ॥ পরনার হোতে আছে কুদ্র কি সংসারে। উহুড় কত শত শত পতক ফুৎকারে। কিন্তু তার একত্রিত হইয়া যথন। ध्यकोख चूपत ज्ञान कतरम भोजन ॥ নিদাদে প্রবন্ধ প্রভঞ্জন অভ্যানার। সরেশের সে অমোঘ অশনি প্রহার 🛊 दिकल (म भव वल मकल कि इस। ভুক্ষরি শৃদে বেকে হয় পরাকর। रत ना (इ मत ! हथा कांज किए नांटा ! कानगर्कि-चरम कि रम अक्ला विदास ? হয়েছি কি ভাছে সুখ কুশল প্রচার। বিবেকের শক্তি আর দলার সঞার 🛭 ধিকু তব জ্ঞানে বিকু জীবনে ভোষার।

52

পশুর ন্যান নতে তব ব্যবহার ।
আছে কি বিজ্ঞানে তব এ হেন বচন।
আগণে করিছে সদ। কলহে পীড়ন ।
বলনা কি শাস্তে আছে এনীতি প্রচার।
কোন্ আনু হোতে একে কোনেছ উছার॥
অকিঞ্জন ধন হীন দ্বিদ্র সকলে।
বন্ধন করিতে আহা! দাসত্ব শৃত্বলে ।
দ্যার ভাজন যার। হায় হায় হায়!
কশাঘাতে রক্ত পাত তাহানের গায়॥

परे कि ध्यक्त जन क्लीव ध्यान !

विमाम जूनन द्वार रहार प्रमाण में ॥

रह यमि ! हा माकि कलन! मध्याद !

महिर्छ बस्कृतीन हा अप्र बद्धश्वाद ॥

ग्रह्मा स्वाम कांद्र मामिन बहुत ।

महोन कथिदा जाहः कदिर्छ द्वारम ॥

जात मिछा महा विद्या कि कांच रक्षाय ।

जूनिक जूनरम भाकि यम अवजात ॥

वर्ष वर्ष भूमा रमहे शुक्स व्रज्यन ॥

यस्कृत नाहि बर्छ मनाम जाहान ॥

यस्कृत नाहि बर्छ मनाम जाहात ।

প্রাণ লালে স্বাধীনতা যে করে উদ্ধার। যে করে যশের ভরে দেশের পীড়ন। ध्वनम शुरुष भारे तोक्तम हुर्व्छन ॥ বটেছে নীরত্ব তারে রচিতে সরত। কৰিব লেখনী ক্ষয় ছইয়াতে কত। বটে ইতিহালে ভার বডই সন্মান। বৰ্ণিতে সুবাজা খাদে সুৱের প্রধান ॥ जात्त रमहे निडा शारंग अन् अनुनमा অভিত তাহাতে বুফী নরের এখন। करव रमेहे "मिश्रदाद" कन द्राष्ट्रियः। "(मकन्मदर्" मन्त्रा त्वर्राःल क्वराटक श्रुविद्य ॥ "छो यूव" श्वदन लारिक विनिद्यक दीम ! आंभरत लरनमा (कह "नामिरद्रत" माम । মত কাল মানবের ছবেন। এইতি। श्रवमा मानुष श्रदम मोस्तित वग्रि । रतमा रतमा जात मानम भीजल। रतम। निर्वान जात घटनत अनन ॥ रह मास्ति। कोथात जुमि वन् ता। यशीरन।" नगरत शंक्षिएक किया गरम विशित्न ॥ किया गिति छदा उत्न स्थ कत नाम। यमानिशय-कारम राष्ट्रक त्नाहकू निवास ॥

[45]

বন দেবি কেথে। তথ নিতা নিকেডন ? बाध्यां जर अधिकारित कहिए ज ब्रध्य ॥ যে থানে ভোমার সহ প্রায়তি স্বন্ধরী। श्रुतिस्य निर्दारक मना यथा महाजी । (यथीएन कत्तर्तर मां आहम अवर्ग। म। पर को दम दश्म प्रत्येत प्रश्न । स्थिति विद्य हम् स्वतिष्ठ छोत्। ज्यरण अस्त अर्थ विकु छन् गोर्ट ॥ यथोश भागभं कूल डोत्क निकात । उपरम्भ त्वतः मन्। मत् मत् ऋत्त । अगन यहण छान यमि आभि लाहे। তাপিত অন্তর তবে পুলকে জুড়াই। धार्तालंब कीर्छिष्ठ कति दिलाकन। जन। जात गीज तरम इहेया मगन ॥

द्दंत महा। आंध्यन यहि हता कृति ।
भीतत्व आंमिल क्रिय स्थीतः। मर्सती ॥
भाग विस्कृतन नीत्व स्टेल ।
किस्त विर्विक्षण। सद्य अस्त द्रिय ॥
केलग्र स्टेल आंमि हस्तमः। गंधरमः।
भीक्ति धौकृषि अक् मूखन पूर्वत ॥

হৈন ক্লপ.দেখে মন ভৃতি হর কার।
নিবে খলোতের আলো জুলে পুনর্ফরের
ফুটেছে বলধুতুরা বলেন ভিডর।
ভূলে শির সন। রক্ষে গোহিছে অন্তর ।
লমে ও ভ্রমর দল ভ্রমে দা তথার।
আগ্রীর নিকটে কোখা লম্পট নেড়ার?
চলিত্র স্থরজে শোভা নেখিতে দেখিতে।
উপনীত বালি আদি কাছে জাচেবিতে ॥

क्रिश्मी।

मन करोकिछ वरन, दाई शूनकिछ मरन. खनारख ७ इंडिंग निराम ॥ जिल्ला मिरल कुछ्रवरम. यूल्ं वि-विव्नगरन. रास जोगा कम कम चरद ॥ तरम भून माना मछ, सर्व भिक्षात कछ, मुश्र या भी प्रभा दर्का है है । टर्रेश माम शर्रात शांत. यथंग हतारा शांत. डेएड वाष्ठ भन्छिम अध्यता। এक पृथ्छे भारत भारत, वाम निजी कन करि, त्यांद्र जाता मध्यम् जल ॥ शह-(भारक बध हिया जननिवि माँजि तिश আ'সিতে যতন কত পার। दक्क त्यांक बरह शांव. भांकन भूका शांव, व्यक्तित्वक हांब इर्म हांब । श्वारम कि सूथ बारह. अनह कांकित कारह मकक्न छोटा कि (म क्र । जिल्लालरस्त् या. सहसा स्ट्रांस का कृष्टित दर महस्थत छेमस । Cपवर्डा मोसर मत. कांमन विभामक्त **刘老-祝飞兴 阿承飞时 邓位平** 1

ज्द रत श्रीतिष्ठ. (कनमा यांगांत विज. हरव दान कर्ति विस्ताकन । त्यहे कारन करन करन, स्त्रह भून मरशंधरः विख्या अमनी स्था वात। क्रमरकत् स्वडमः श्वीत्रक्रम मङ्क्रिम **िए पूर्ध मध्**र गर्खा है। সুথকর অনুপ্র, ত্রিভুবনে গৃহস্য যল আর কোন স্থান পাই। यथा भरव मग्रकाम, नाहिशान अश्राम চাক্র মক্র দাদা ভাই 🛭 नश्रम श्रूनक माम वक्ष त्रमा मिरक्डाम मलामान (भरकत थानात। अथव। मरचत्र मरम नाया रेशां श्री श्रीमारम मामा दक्क हालिटा ध्वां ॥ गक्तांत श्रीतिन (जिटल) . मध्ये सूथ मितिटलीटर প্রকৃতির বিচিত্র শোভায়। किया ७७ वालुकात भूग मक माराजात कर्ग भाग इत शिशी भाग । बाह्र भूर्न मिवा चरत । भूल्लिक भरीक भरत

मिला यां अस्तिम कास्ट्रत ।

[96]

ख्यर, गरून वर्त श्रीयन जिरह गर्ज रन
केंग्ल हिंगा थर थर थर ।

रग्थारन मिश्री निवाद गर्ग है छह। छोर. थर्ड

रग्यारा कद्दर ग्राम।

प्राथ पा जि करन करने ।

प्राप पा जि करने करने ।

प्राप पर खोरन खीर्न नोम श्रीद्रशासम्

भाक ख्रास खेनद श्रीहै।

ख्रीह हो छुश्चित जिस्ता श्रीह ।

ख्रीह श्रीह हो छोर्न सम्मान व्याखान स्थिति मान स्थाद क्रीह ।

वाञ्चा श्रीह मान स्थाद खानाश्रीह ।

वाञ्चा श्रीह मान स्थाद खानाश्रीह ।

वेंग्ला स्थाद क्रीह करने हो है।

वेंग्ला स्थाद क्रीह क्रीह ।



मभांख ।

--

এতং প্রকৃ প্রকাশক এই পুস্তকথানী সে মুদ্রিত করিয়: দিতে আনাদিগতে করেন। সেই অনুরোধ পরতন্ত্র ছইদা সংশোধন করিয়াই ফর্মাগুলি ছাপা ছর। সভরাং বর্ণ দংযোগে স্থানেই এই টিয়াছে। পাঠকগন এই এন সংশোধনা রিয়া প্রশাসকল এন প্রমান সংশোধনা কইবেন। স্তুক্ত

অশুদ্র শংশোধন।

প্তি	शृष्ठी
৬	5
¥	9
>6	¥
25	۵
*	30
52	33
30	25
>9	36
310	59
5.	*
>>	#
>	₹•
	> > > > > > > > > > > > > > > > > > >

		•	
श्रुका .	* পূঁক্তি	অন্তৰ্	34 1
* o. '	2,5	उक्कन :	डेड न
२७	50	विलन	महिन
96	``````````````````````````````````````	করিংড	কর্নেতে
, 2ς,	>2	পেরক	. পেচক
34	· 5₩	では	짓착
34	ঙ	नां निकात	नामिकान
0,5	5, %	गांव	হ† ব
84	25	করিছেতে	করিভেছে
8 &	52	চর্ববণর	ठ र्म्बन
6.5	ં	শ্বেহ	. গ্লেছে
ar	8	म्या क	भ वां द
, 5 C	۵.	. उ.व	র বে
20	24	कूमनी	क्रमूनी
. 14	, ,,,	বিশ্শ	বিনাশি
٠,٩	b ' '	উদ্ধ	· 65
*2	SP.	विरुष्णान	বিহল্মগ্র
42	24	देवजरु	ें देवजब्र सः
	- 91	পরিবর্ত্তন।	•

⁰⁸ श्रृष्ठीत अप निकास ता निकास को एक ज रहिनमूत्र्यमः शांठ कवित्यः हरेता । >४ शिक्तिक कोर्ट भस खांक्षे कवित्यः हरेता ।

िएक स्ट्रेटन 1: 14

७१ श्रेष्ठी : दर्भरवड़ २ में हिस् छार्ग वित्र मार्ठ